उप्र में पर्यटन की असीम संभावनाएं : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा, आध्यात्मिक की तरह इको पर्यटन को भी बढ़ावा देने की जरूरत

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उप्र देश का हृदयस्थल है। यहां पर पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। गत वर्ष उप्र की आबादी से दोगुणा संख्या में 48 करोड़ पर्यटक यहां आए थे। इनमें आध्यात्मिक पर्यटकों की संख्या सबसे ज्यादा थी। काशी में 10 करोड़, मथुरा-वृंदावन में 7.5 करोड़ और अयोध्या में पांच करोड़ पर्यटक पहुंचे। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीराम के विराजमान होने के बाद यह संख्या कई गुणा बढ़ गई है। प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख पर्यटक अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को इको पर्यटन विकास बोर्ड के संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र में आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ही इको पर्यटन को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। इस क्षेत्र में पर्यटकों को मनोरंजन व ज्ञान के साथ-साथ प्रकृति के करीब रहने का और उसे जानने का मौका मिलता है। नैमिषारण्य, चित्रकूट, शुकतीर्थ, विंध्यवासिनी धाम, मां पाटेश्वरी धाम, बौद्ध तीर्थ स्थल कपिलवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, संकिसा, जैन व सूफी परंपरा से जुड़े स्थलों में आध्यात्मिक पर्यटन की अनेक संभावना पहले से है। इससे पता चलता है कि उप्र मानव और जीव सृष्टि का उद्गम स्थल है। इसके प्रमाण सोनभद्र के सलखन जीवाश्म पार्क से मिलते हैं। योगी ने कहा कि जून की गर्मी लोगों को लंबे समय तक याद रहेगी। लोग असहाय और असमंजस की स्थिति में थे। इसके लिए हम सबकी स्वार्थी गतिविधियां ही उत्तरदायी हैं। अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति के दोहन की प्रवृत्ति के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई। लखनऊ का तापमान 42 है और दुधवा का 35 डिग्री के आसपास है। इको पर्यटन स्थलों की कनेक्टिविटी के लिए सरकार प्रयास कर रही है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को इको पर्यटन विकास बोर्ड के संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रतीक चिह्न भेंट करते पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और राज्यमंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना ● जागरण

नाइट सफारी बनाने से पहले कुकरैल नदी को करेंगे जीवित

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में कुकरैल के पास नाइट सफारी बनाई जा रही है। इसके पहले कुकरैल नदी को जीवित किया जाएगा। कभी कुकरैल गोमती नदी की सहायक नदी थी, लेकिन इसको नाला बनाकर लोगों ने अवैध निर्माण कर लिया। चार दशक में कब्जा इतना बढ़ गया कि यह न केवल यह नदी बल्कि पर्यावरण के लिए चुनौती बन गया। हम लोगों ने कुकरैल को नदी बनाने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी। आठ हजार से अधिक कब्जों को हटाया गया है। गर्मी में जब नदियां और जल के स्रोत सूख रहे थे तो कुकरैल में जल के नए स्रोत बन रहे थे।

'कांग्रेस में चेहरे बदले हैं, चरित्र आज भी अधिनायकवादी'

संसद में आपातकाल के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से पढ़े गए निंदा प्रस्ताव का मुख्यमंत्री योगी ने समर्थन व स्वागत किया है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष का इसके लिए आभार जताया और कहा कि कांग्रेस में आज भले ही चेहरे बदल गए हों, मगर इनका चरित्र अधिनायकवादी और तानाशाही पूर्ण है।

बुधवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में योगी ने कहा कि 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र का गला घोंटकर आपातकाल लगाया था। जिस लोकतंत्र की शपथ लेकर वह प्रधानमंत्री बनी उसी का गला घोंटने का उन्होंने कार्य किया। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व संविधान और आरक्षण समाप्त करने के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहा है। निंदा प्रस्ताव पारित करना साहसिक कदम है। कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए 75 बार संविधान में संशोधन किया। वहीं अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए 90 बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को गिराया।

ओम बिरला के लोस अध्यक्ष बनने पर योगी ने दी बधाई

लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर ओम बिरला को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी है। बुधवार को उन्होंने इंटरनेट मीडिया एक्स पर लिखा कि आपके स्वर्णिम कार्यकाल के लिए आपको हृदयतल से बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके यशस्वी नेतृत्व में भारतीय लोकतंत्र के मंदिर संसद की गरिमा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

प्रदेश में आउटडोर कैंपिंग तथा नाइट सफारी जल्द : कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार के बाद प्रदेश में तेजी से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वन और पर्यावरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा.अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि जल्द ही उप्र आउटडोर कैंपिंग तथा नाइट सफारी जैसी गतिविधियों से युक्त होगा। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि उप्र प्राकृतिक रूप से काफी समृद्ध है तथा यहां इको पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस मौके पर सोनभद्र में सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की मान्यता दिलाने के लिए इको पर्यटन विकास बोर्ड एवं बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान लखनऊ के मध्य एमओयू भी किया गया। साथ ही बोर्ड के लोगो का अनावरण भी मुख्यमंत्री ने किया। नई इको पर्यटन इकाई स्थापित करने के लिए जालौन के केशवेंद्र सिंह, मनीष मल्होत्रा समेत तीन लोगों को उन्होंने सम्मानित किया।